काम किया गया था। १९५५ में इस काम के लिये एक अलग समिति बनाई गई थी, जो तभी से काम कर रही है।

(ग) जी हां।

यात्री सुविधायें

१५४९. **श्री जांगड़े** : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कटनी जंक्शन पर प्लेटफार्मों पर शेड लगाने, विश्रामघरों को नये बनाने, नये शौचालयों के बनाने और प्लेटफार्मों को ऊंचा कर कांक्रीट से जमाने का कार्य कब शुरू हुआ था और अभी तक इस कार्य में कितनी प्रगति हुई है ;

(ख) उस पर कितना धन व्यय किया जायेगा;

(ग) क्या यह सच है कि कटनी स्टेशन पर कांक्रीट की सभी बैंचें चटक कर टूट गयी हैं; और

(घ) कटनी के अलावा दमोह और सागर स्टेशनों के प्लेटफार्मों पर शेड लगाने और वहां भोजनगृह की व्यवस्था कब तक हो जायेगी ?

रेलवे तथा परिवहन मंत्री (श्री लाल बहादुर शास्त्री) : (क) कटनी में यात्री-सुविधा सम्बन्धी काम मई, १९५५ में शुरू किया गया था। प्लेटफार्म पर छत डालने के लिये इस्पात का ढांचा खड़ा कर दिया गया है और आशा है कि छत पर चद्दरें जल्द लगा दी जायेंगी। स्टेशन की इमारत के विस्तार का काम पूरा हो गया है। इस काम में नया प्रतीक्षालय भी शामिल है। कटनी में विश्रामालय बनाने या शौच-कमरे में सुधार करने का कोई विचार नहीं है। तीसरे दर्जे के प्रतीक्षालय का सहन और नये टिकट-घर काम में लाये जा रहे हैं। यहां के प्लेटफार्म पहले से ऊंची सतह के हैं। फंड की कमी के कारण प्लेटफार्म को पक्का करने का काम इस कार्यक्रम में शामिल न किया जा सका।

(ख) इस काम पर ४,३०,६७८ रुपये खर्च होने का अनुमान है।

(ग) जी नहीं, ५७ बैंचों में से १५ रास्ते में कुछ चटक गयी थीं।

(घ) दमोह और सागर स्टेशनों के प्लेटफार्म पर जलपान-घर और छत की व्यवस्था करने का अभी कोई विचार नहीं है।

जबलपुर-गोंदिया रेलवे लाइन

१५५०. **श्री जांगड़े** : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि रेलवे मंत्रालय ने जबलपुर के लोगों को यह आश्वासन दिया है कि जबलपुर से गोंदिया तक सकरी लाइन को बड़ी लाइन में परिवर्तित कर दिया जायेगा ;

(ख) क्या प्रतिरक्षा मंत्रालय ने भी सुझाव दिया है कि भंडारा के पास कबड़सी तथा अन्य स्थानों पर युद्धास्त्र कारखाने खोले जायेंगे इसलिये उक्त लाइन को चौड़ा बनाना जरूरी है; और

(ग) यदि हां, तो इस समय मामले की क्या स्थिति है ?

रेलवे तथा परिवहन मंत्री (श्री लाल बहादुर शास्त्री) : (क) इस लाइन को छोटी से बड़ी लाइन में बदलने का कोई आश्वासन नहीं दिया गया है।

(ख) रक्षा मंत्रालय से ऐसा कोई सुझाव नहीं आया है।

(ग) सवाल नहीं उठता।